महिला किसान की सफलता की कहानी

आत्मा–चतरा (जिला–चतरा)

किसान का नाम	*मुनिया देवी*
पिता/पति का नाम	अमरिका यादव
ग्राम	पोटम
पंचायत	हेडुम
प्रखण्ड	लावालौंग
डाक घर	हेडुम
पिन कोड	825101
रकवा (Land Holding)	04 एकड़
सिंचित	01 एकड़
असिंचित	03 एकड़
मोबाईल नं0	8292066643
सदस्यता यदि किसी समूह में हों	नहीं।
केन्द्रीय/राजकीय स्कीम का नाम जिसमें कृषक द्वारा प्रयोग किया गया हो।	आत्मा एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत प्रत्यक्षण

सफलता की कहानी 500 शब्दों में टिप्पणी।

मैं आज एक प्रगतिशील महिला किसान की श्रेणी में अपने को खड़ा कर पाई हूँ इसका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आत्मा के द्वारा चलाये जाने वाले विभिन्न प्रकार के किसान गोष्ठी, किसान मेला, प्रत्यक्षण इत्यादि का मुख्य भूमिका है।

मैं मुनिया देवी, ग्राम–पोटम, पंचायत–हेडुम, प्रखण्ड–लावालौंग, जिला–चतरा की किसान हूँ। मेरा गॉव चतरा जिला से 20 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है। मेरे पास कुल 04 एकड़ जमीन है। जिसमें मैं टमाटर, अरहर, सरसों, धान, मक्का, सब्जी इत्यादि उगाकर अपनी और अपने परिवार का भरण–पोषण करती हूँ। आत्मा के सम्पर्क में आने के पहले मैं खेती कर रही थी, परन्तु लागत के अनुपात में लाभ नहीं मिल पाता था। आत्मा के किसान गोष्ठी में भाग लेकर आत्मा से जुड़ने का अवसर मिला। प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, श्री सुधीर कुमार के दिशा–निर्देशानुसार बीज को कार्बेन्डाजिम 50WP का 02 ग्राम प्रति किलो बीज से उपचारित कर बोआई कर फसलों को पंक्ति में लगाने लगी। साथ ही समय पर कीट व रोग के बारे में आत्मा से सम्पर्क स्थापित कर कीट व रोग नियंत्रण में सही दवा का प्रयोग की। जिसके फलस्वरूप हमारे खेती के लागत में कमी आई। इनके निर्देशानुसार बैकयार्ड पोल्ट्री पालन के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ। तत्काल मेरे पास कुल दो दर्जन से अधिक देसी मुर्गीयाँ हैं, जिसे पालने में कोई अलग से मेहनत नहीं करना पड़ता है और यह आय का अच्छा श्रोत मिला है। 01 मुर्गी आज आसानी से 350/– रू0 किलो तथा 01 अण्डा 10/– रूपये में बिक जाता है। इसके अलावा घर के सदस्यों को एक अच्छे पोषण में सहयोग हो जाता है। मेरे पास लगभग 01 दर्जन बकरियाँ और 05 गायें भी हैं। 01 खस्सी लगभग 10,000/– रूपये में बिक जाता है। और गाय से जो दूध प्राप्त होता है उसे अपने उपयोग में लाती हूँ तथा बिक्री भी करती हूँ। प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक के द्वारा बताया गया कि गोबर, फसल अवशिष्ट, कूड़ा–कचरा को एक गड्ढे में सड़कार पुनः उसे खाद के रूप में डालें ताकि आपको रासायनिक उर्वरक का उपयोग कम करना पड़े। इससे आपका खेत ठीक रहेगा और फसल Quality अच्छी होगी। उन्हीं के दिशानुसार मैं कार्य की और आज रासायनिक उर्वरक का प्रयोग काफी कम कर दी हूँ तथा कम्पोस्ट और गोबर की खाद का उपयोग अपने खेत में कर रही हूँ। समय–समय पर जिला व प्रखण्ड स्तर में होने वाले प्रशिक्षण में भाग लिया करती हूँ। कुल खेती का सबसे अधिक लाभ मुझे टमाटर की खेती से प्राप्त होती है, इसके लिये अब मैं बीज उपचार, कार्बनिक खाद, जैविक रासायन इत्यादि का समय पर प्रयोग करती हूँ जिससे फसल की गुणवत्ता व

उत्पादन दोनों में वृद्धि हुई। इसकी बिक्री घर पर ही ब्यापारी के द्वारा हो जाता है। मेरे यहाँ से टमाटर कलकत्ता, बनारस इत्यादि के दूर के बाजारों में जाता है एवं मुझे नगद मूल्य प्राप्त होता है। इससे मैं अपने परिवार का अच्छे ढंग से पढ़ा लिखा पा रही हूँ तथा एक अच्छा पोषण दे रही हूँ।

आज मैं खेती की वैज्ञानिक पद्धति समेकित कृषि प्रणाली का प्रयोग करने की पूरी कोशिश कर रही हूँ और आगे इसमें आत्मा के निर्देशानुसार दिन प्रतिदिन सुधार ला पाई हूँ इसका प्रत्यक्ष लाभ मुझे प्राप्त हुआ है। मैं आत्मा के पदाधिकारियों तथा सरकार के महत्वकांक्षी योजनाओं का आभार व्यक्त करती हूँ, जिसके द्वारा मैं आज एक सफल महिला किसान की श्रेणी में अपने को पहचान दिलाने में सक्षम हो पाई हूँ।

	गतिविधि/स्कीम के अंगीकरण के पूर्व	*गतिविधि/स्कीम के अंगीकरण के बाद*
फसल/कृषि पद्धति	टमाटर/सामान्य पद्धति	टमाटर/समेकित कृषि प्रणाली व वैज्ञानिक खेती
फसल का उत्पादन	150 क्वि0 प्रति एकड़	275 क्वि0 प्रति एकड़
बिक्री मूल्य	45,000/– रू0	82,500/– रू0
Straw (पुआल)	–	–
लागत मूल्य (Input Cost)	7,500/– रू0	12,300/– रू0
मजदूरी लागत	6,000/– रू0	7,000/– रू0
अन्य खर्च	1,500/– रू0	2,000/– रू0
अंतिम बचत	**30,000/– रू0**	**61,200/– रू0**

बैकयार्ड पोल्ट्री (मुर्गी पालन)

बकरी पालन

मक्का की खेती

अरहर की खेती

धान की खेती

टमाटर की खेती

Inter-Cropping (Arhar + Jowar)

सुधीर कुमार
(प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक),
आत्मा चतरा